

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने 51,000 युवाओं को बांटे नियुक्ति

पत्र;बोले- बिना पर्ची, बिना खर्ची हो रही भर्ती

युवाओं को सशक्त बनाने और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी को अहम करने के लिए आज देशभर के 47 शहरों में रोजगार मेले का आयोजन हुआ। इस दौरान पीएम मोदी ने युवाओं को बड़ी सौगात देते हुए 51 हजार से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटे। साथ ही उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उन्हें संबोधित भी किया। देशभर के 47 शहरों में शनिवार को रोजगार मेले का आयोजन हुआ। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने देशभर के युवाओं को एक बड़ी सौगात देते हुए 51,000 से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटे। साथ ही पीएम



मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए युवाओं को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य पारदर्शी और ईमानदार भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। पीएम मोदी ने कहा कि देश के लाखों युवाओं को ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से नौकरी मिली है और वे आज राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मंत्र है..

बिना पर्ची, बिना खर्ची% देश की विकास रफ्तार तेज करेंगे ये युवा- पीएम मोदी युवाओं के संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि अलग-अलग विभागों में नियुक्त हो रहे ये युवा आने वाले समय में देश के विकास की रफ्तार को तेज करेंगे। उन्होंने कहा कि कुछ देश की रक्षा करेंगे, कुछ %सबका साथ, सबका विकास% के सच्चे

सिपाही बनेंगे। कुछ वित्तीय समावेशन मिशन को मजबूत करेंगे, तो कुछ उद्योगों के विकास में योगदान देंगे। राष्ट्र सेवा ही सबसे बड़ी पहचान- पीएम मदी- इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भले ही नियुक्ति पाने वाले युवाओं के विभाग अलग-अलग हैं, लेकिन उनका उद्देश्य एक ही है राष्ट्र सेवा। उन्होंने कहा कि आपके विभाग अलग

हो सकते हैं, लेकिन आप सब एक ही शरीर के अंग हैं, और वह है- देश की सेवा। बता दें कि इस दौरान पीएम मोदी ने खास तौर पर इस बात पर जोर दिया कि रोजगार मेले के अभियान ने यह विश्वास जगाया है कि सरकारी नौकरी अब सिफारिश या रिश्त के बिना भी मिल सकती है, केवल काबिलियत के आधार पर रोजगार मेले के आयोजन का लक्ष्य- गौरतलब है कि केंद्र सरकार की तरफ से आयोजित रोजगार मेला एक विशेष अभियान है, जिसका उद्देश्य युवाओं को तेज और पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरियों में नियुक्त करना है। इसके तहत अब तक लाखों युवाओं को केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में रोजगार मिल चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, इस अभियान ने यह विश्वास जगाया है कि सरकारी नौकरी अब सिफारिश या रिश्त के बिना भी मिल सकती है, केवल काबिलियत के आधार पर।

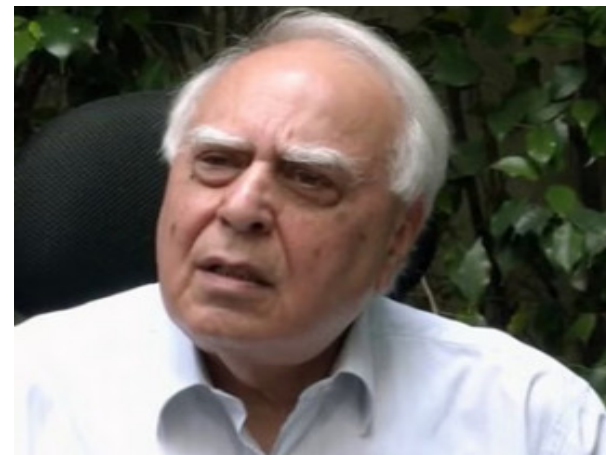
'ईसी-भाजपा के बीच साझेदारी,

भारत में बहुसंख्यक शासन

लागू करना चाह रहे'; बिहार में

घमासान पर सिब्वल का तंज

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर केवल बिहार ही नहीं बल्कि पूरे देश में सियासी घमासान मचा हुआ है। विभिन्न राजनैतिक दल केंद्र की मोदी सरकार और चुनाव आयोग पर सवाल खड़े कर रहे हैं। उनका आरोप है कि चुनाव आयोग के साथ मिलकर भाजपा आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले वहां वोटों की संख्या में गड़बड़ी कराना चाहती है, जिसका फायदा वो चुनाव में उठा सके। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ट्रक्चर) पर सियासी घमासान जारी है। विपक्षी पार्टियां इस मुद्दे पर भाजपा और चुनाव आयोग को घेरने में लगी हैं। इस बीच, राज्यसभा सांसद और सुप्रीम कोर्ट के वकील कपिल सिब्वल ने भी भाजपा को घेरा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ऐसा कहा जा रहा है कि यह अभ्यास एक पायलट प्रोजेक्ट है। यह हथ्कट को वापस लाने का एक और तरीका है। ऐसा करके वे भारत में बहुसंख्यक शासन लागू करना चाहते हैं। भाजपा और केंद्र की मोदी सरकार पर तंज कसते हुए सिब्वल ने कहा कि वे नहीं चाहते कि भारत में कोई और सत्ता में आए। महाराष्ट्र का उदाहरण देते हुए सिब्वल ने आरोप लगाया कि वहां उन्होंने वोटों की संख्या बढ़ाई और यहां वे इसे कम कर रहे हैं। मेरा आरोप है कि चुनाव आयोग और उनके (भाजपा) बीच साझेदारी है। 75ब मतदाताओं के गणना फॉर्म जमा हुए बिहार



में मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम तेज गति से आगे बढ़ रहा है। निर्वाचन आयोग द्वारा शुक्रवार को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, अब तक हर चार में से तीन मतदाताओं ने अपने गणना फॉर्म जमा करा दिए हैं। आयोग के मुताबिक बिहार में 7,89,69,844 (लगभग 7.90 करोड़) मतदाताओं में से 74.39ब से अधिक ने अपने गणना प्रपत्र जमा कर दिए हैं जबकि इन प्रपत्रों को जमा करने की अंतिम तिथि से अभी 14 दिन शेष हैं। स्ट्रक्चर पर बिहार ही नहीं पूरे देश में छिड़ा है घमासान बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर केवल बिहार ही नहीं बल्कि पूरे देश में सियासी घमासान मचा हुआ है। विभिन्न राजनैतिक दल केंद्र की मोदी सरकार और चुनाव आयोग पर सवाल खड़े कर रहे हैं। उनका आरोप है कि चुनाव आयोग के साथ मिलकर भाजपा आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले वहां वोटों की संख्या में गड़बड़ी कराना चाहती है, जिसका फायदा वो चुनाव में

उठा सके। इस प्रक्रिया के विरोध का आलम यह है कि ये मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने कई सलाह देते हुए इस प्रक्रिया को जारी रखने की अनुमति दे दी है। सुप्रीम कोर्ट का क्या है रुख- बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर लगाई गई कई याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने बीते गुरुवार को सुनवाई करते हुए चुनाव आयोग से कहा कि बिहार में चल रही विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड जैसे दस्तावेजों को वैध मानकर विचार किया जाए। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जयमाल्या बागची की पीठ ने इसे सांविधानिक दायित्व बताया और चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी की दलीलों को सुनने के बाद बिहार के सात करोड़ से अधिक मतदाताओं के लिए चल रही प्रक्रिया को जारी रखने की अनुमति दी थी।

धर्मांतरण की छांगुर कहानी:

‘राष्ट्रविरोधी साजिशों’ का

पर्दाफाश हुआ...’, सीएम

बोले- ऐसे दुश्मनों से सतर्क रहें



श्रीगुरु तेग बहादुर साहिब के शहीदी पर्व पर निकाली जा रही संदेश यात्रा का सीएम योगी आदित्यनाथ ने स्वागत किया। यह यात्रा लखनऊ से शुरू होकर दिल्ली में समाप्त होगी। इस मौके पर सीएम ने धर्मांतरण के आरोपी छांगुर पर कहा कि राष्ट्रविरोधी साजिशों का पर्दाफाश हुआ है। आप लोग ऐसे दुश्मनों से सतर्क रहें। श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें शहीदी पर्व पर राजधानी लखनऊ से दिल्ली तक संदेश

यात्रा का शनिवार को शुभारंभ हुआ। सुबह गुरुद्वारा नाका हिंडोला से निकली यात्रा मुख्यमंत्री आवास तक पहुंची। यहां पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया।सीएम ने यात्रा को दिल्ली के लिए रवाना किया। इस मौके पर शब्द कीर्तन एवं कथा विचार के बाद गुरु लंगर वितरित किया गया। यात्रा लखनऊ से प्रारंभ होकर कानपुर, इटावा, आगरा होते हुए दिल्ली के चांदनी चौक, शीशगंज

स्थित गुरुद्वारा पहुंचकर समाप्त होगी।इस मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने धर्मांतरण पर कहा कि हमने बलरामपुर मामले में जांच शुरू की है। जांच में सामने आया कि जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा ने धर्मांतरण के लिए दरें तय कर रखी थीं। उसे विदेशी फंडिंग मिल रही थी। उसके 40 बैंक खातों में 100 करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन पाया गया है। सीएम ने आगे कहा कि देश का स्वरूप बदलने की कोशिश हुई। भय और लालच

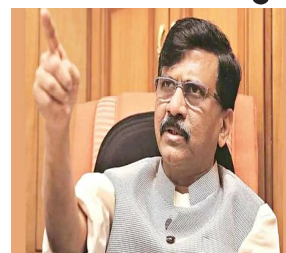
देकर धर्मांतरण कराया जा रहा है। हम राष्ट्रविरोधी साजिशों का पर्दाफाश कर रहे हैं। ऐसे दुश्मनों को नाकाम करना है। आप लोग भी ऐसे लोगों से सजग रहिए।

शिंदे गुट के मंत्री के बैग वाले वायरल

वीडियो पर घमासान; राउत ने उठाए सवाल,

कहा- कपड़े थे तो दिखाओं

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बैग वाले वायरल वीडियो को लेकर मंत्री शिरसाट पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अगर बैग में कपड़े थे तो दिखाएं। साथ ही उन्होंने इस मामले में सीएम फडणवीस की चुप्पी को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि इस मामले में सरकार चुप क्यों है? शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने शनिवार को एक वायरल वीडियो को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर सवाल खड़े किए। राउत ने कहा कि शिरसाट का दावा है कि बैग में सिर्फ कपड़े थे, लेकिन यदि ऐसा है तो बैग खोलकर दिखा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो वीडियो में है, वो सभी ने देखा।



अगर कपड़े थे तो दिखाने में क्या हर्ज था? बता दें कि ये विवाद तब शुरू हुआ है, जब हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसमें शिंदे गुट के मंत्री संजय शिरसाट एक कमरे में बैठे दिख रहे हैं, उनके पास ही एक बैग रखा है। दावा किया जा रहा है कि इस बैग में नोटों की गड़ियों जैसा कुछ नजर आ रहा है। राउत ने फडणवीस पर उठाए सवाल- इस वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के साथ ही महाराष्ट्र की

सियासत में अलग तरह की गर्माहट देखने को मिल रही है। राउत ने मुख्यमंत्री फडणवीस की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि शिवसेना (शिंदे गुट) ने सरकार को मजाक बना दिया है और मुख्यमंत्री इस पर चुप हैं। क्या ये सरकार को चलाने का तरीका है? इसके साथ ही राउत ने शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ पर भी हमला बोला। हाल ही में गायकवाड़ पर मुंबई के विधायक हॉस्टल की कैंटीन के कर्मचारी के साथ मारपीट का आरोप लगा था। पुलिस ने उनके खिलाफ गैर-संज्ञेय अपराध दर्ज किया है। राउत ने कहा कि यह साधारण मामला नहीं, हत्या के प्रयास जैसा है। सरकार ऐसे अपराधियों को क्यों बचा रही है? शिंदे गुट दिल्ली के प्यादेइसके अलावा

राउत ने एकनाथ शिंदे गुट पर जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि शिंदे गुट के साथ हमारी दुश्मनी अब ऐसी हो गई है कि आमने-सामने बैठना भी मुश्किल है। उन्होंने शिंदे गुट को दिल्ली का प्यादा और महाराष्ट्र का दुश्मन कहा। महाराष्ट्र विशेष सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक 2024 पर भी साधा निशाना - अंत में राउत ने राज्य विधान परिषद में पास हुए महाराष्ट्र विशेष सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक 2024 को लोकतंत्र विरोधी करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कानून आदिवासी और सामाजिक कार्यकर्ताओं की आवाज दबाने के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा को उन लोगों से डर लगता है जो आदिवासियों के लिए लड़ते हैं।

संपादकीय

Editorial

Terrorism

through e-

commerce

A sensational disclosure has come to light on terrorism. A report by the Financial Action Task Force (FATF) has revealed the shocking dimension that terrorism has been funded through e-commerce platforms like Amazon, online, social media. The terrorists obtained such explosives through the Amazon platform, which made the terrorist attack of Pulwama, 2019 even more intense. As a result, 40 CRPF jawans were 'martyred'. This attack was carried out by the terrorists of Pakistan-based 'Jaish-e-Mohammed', this conclusion has been made public through various investigation reports. The FATF report has also revealed that while condemning the Pahalgam terrorist attack, it has been said that this attack was not possible 'without someone's financial help'. This attack was carried out by the terrorists of 'TRF', a front organization of 'Lashkar-e-Taiba'. It is a global fact that Lashkar and its leader Hafiz Saeed are in Pakistan. Fatf has also claimed that the terrorist who attacked Gorakhnath temple in UP in 2022 was paid through 'PayPal' app. Fatf has included both these attacks as an example in the report. When this fact has been exposed that the terrorist groups who received financial help through e-commerce, apps, social media are active in Pakistan, then why did Fatf not name Pakistan in the report? Fatf has already put Pakistan in the 'grey list' 2-3 times. Now India is constantly urging that Pakistan not only gives shelter to terrorists, but the government agencies have also been helping the terrorists for funding, then why is Fatf hesitant to investigate Pakistan and put it in the 'grey list'? Instead of the 'grey list', Pakistan should now be put in the 'black list'. India and other countries have provided sufficient evidence to FATF. Terrorism is an 'open game' in Pakistan. Former foreign minister Bilawal Bhutto has been continuously making statements that if India cooperates, Pakistan can hand over terrorists like Masood Azhar and Hafiz Saeed to India. Bilawal is the chairman of the ruling coalition. FATF can take action on this basis as well. It is also worth noting in the report that Amazon is being used not only for buying goods but also for selling them. Terrorists are raising funds by selling low-priced goods and asking for 'donations'. Under the 'Trade Based Money Laundering Scheme', a person buys goods and sends them to his partner, who raises money by selling them in another country. FATF has found in its study that terrorists are buying weapons, chemicals and 3D printing materials from such platforms and open market places. Terrorism is such an important concern that Prime Minister Modi raised it during the 'BRICS Summit' and included it in the 'Joint Statement'. Prime Minister Modi tried to form a world opinion on terrorism during his recent visits to Croatia, Ghana, Trinidad and Tobago, Argentina, Brazil. BRICS also passed a 'condemnation resolution' on the Pahalgam massacre. Now it is a policy concern for the BRICS countries to oppose terrorism at every level. Terrorism is not limited only to the terrorists who attack, but the countries that give them shelter, fund them, sponsor them will also be considered within the ambit of terrorism, so they will have to be dragged to the dock of justice. In this way, Pakistan is being exposed at every level. However, the Indian food regulator FSSAI has especially warned the e-commerce platforms that if they do not follow the food safety protocol, strict action will be taken. Anyway, a clever game of terrorism has come to the fore, which should be crushed here itself.

Hindi has become the target of political malice, opposition

to Hindi by leaders like Thackeray is not only an insult to

the rich cultural heritage of Maharashtra

Only the future will tell how successful the Thackeray brothers' attempt to strengthen their weakening political ground through the cheap politics of opposition to Hindi will be. It is certainly clear that this opposition is not only an insult to the rich cultural heritage of Maharashtra but is also not in the interest of the Marathi people themselves. Narrow politics is driven by petty selfishness rather than public and national interest. Leaders doing such politics mislead the public on pseudo issues of caste, region and language instead of real issues, in which selfishness comes first and public interest or nation is last. Such politics is being seen these days in Maharashtra in the name of opposition to Hindi. This politics being done on the so-called language is not only not in the national interest, but is also not beneficial for the 'Marathi Manush'. This recent controversy started with the state government's decision to make Hindi compulsory as the third language up to class five under the National Education Policy. Although Hindi was made optional after protests, Uddhav Thackeray's Shiv Sena (UBT) and Raj Thackeray's Maharashtra Navnirman Sena (MNS), who are losing their political existence, saw an opportunity in this on the lines of Tamil Nadu or Karnataka. UBT and MNS falsely alleged that the government is imposing Hindi on Marathis. There seems to be pure political selfishness behind this opposition to Hindi, which was expressed on the platform when Uddhav and Raj Thackeray, who were opposed to each other for decades, came together. It is clear that these leaders are trying opposition to Hindi as a last resort to save their political existence before the upcoming municipal elections including BMC. These leaders who oppose Hindi and North Indians should know what was the relationship of the two most prominent symbols of Marathi identity, Chhatrapati Shivaji and his son Chhatrapati Sambhajiraje, with Hindi and the people of the Hindi region. When Aurangzeb treacherously detained Shivaji in Agra in 1666, the people of the local Hindi belt played an important role in helping him escape by hiding in baskets. Not only this, Shivaji had called the priests of Kashi i.e. Hindi region for his coronation in 1674. Shivaji's son Sambhajiraje also had a deep connection with Hindi people. Historian Jadunath Sarkar tells in the book 'Shivaji and His Times' that Sambhajiraje was a good scholar of Hindi. He also wrote three books named 'Saatshtatak', 'Nakhshikha' and 'Nayikabhed' in Hindi language. According to 'Marathi Bakhars', an important source of Maratha history, he had close contact with Kashi, Prayag, Mathura etc., from where he used to call scholars and artists. During the freedom movement, the idea of ??making Hindi a weapon against the British as a national language was given by a son of Maharashtra itself. In 1864, Mr. Penthe of Maharashtra wrote in a book named 'Rashtrabhasha' in Marathi language that today a language is needed for the unity of the country and that language can only be Hindi. Lokmanya Bal Gangadhar Tilak, Gopal Krishna Gokhale and Kaka Kalelkar of Maharashtra also strongly advocated the adoption of Hindi. Today, the people of Maharashtra need to be told about the great, liberal legacy of Shivaji, Sambhajiraje and the freedom movement so that they can avoid the influence of these narrow-minded leaders. Uddhav Thackeray's lies are also exposed by the fact that when he was the Chief Minister, he had decided in January 2022 to make Hindi compulsory from class 1 to 12 along with Marathi and English classes. It is the height of political hypocrisy that Uddhav is today fanning the anti-Hindi sentiment for political gains in the upcoming civic elections including the BMC. The political mask of these leaders is completely exposed when the Thackeray brothers, who worry about the Marathi language, remain silent on the question of Marathi in Muslim areas. Regarding the Muslim vote bank, Uddhav faction leader Sanjay Raut's recent statement is that there is no need to worry about Muslim votes, because everyone is with us. In fact, they have no intention of implementing Marathi in Muslim areas so that the Muslim vote bank does not get scattered. It is not good for the career of the children of Maharashtra to deprive them of Hindi. It cannot be ignored that the Hindi film and entertainment industry is centered in Mumbai, which provides livelihood to lakhs of Marathi people. Today, Hindi is making a new mark as a career language. The four largest newspapers of the country are in Hindi language. Most of the TV and YouTube channels in the country are in Hindi. More than 70 percent of television advertisements are in Hindi, for which Hindi copywriters are needed. Hindi is taught in many universities and colleges in every state of India or Maharashtra. Even Hindi is taught in 200 foreign universities. In economically emerging India, multinational companies will need content writers or editors of Indian languages ??and mainly Hindi for their content. The number of foreign students studying Hindi in Delhi University itself has doubled in a decade. Opposition to Hindi will only deprive the children of Maharashtra of many opportunities and new possibilities. Apart from this, opposing Hindi is also not good for national unity and social harmony. The people of Maharashtra also need to understand that the name 'Maharashtra' itself is a symbol of a vast emotional land. Maharashtra means the region which is the great emotional land of the nation. This is for a state which accepts people from all parts of the country with a sense of belonging. The word nation is not used in the name of any state of the country. Only the future will tell how successful the Thackeray brothers' attempt to strengthen their weakening political ground through the cheap politics of opposing Hindi will be. It is certainly clear that this opposition is not only an insult to the rich cultural heritage of Maharashtra, but is also not in the interest of the Marathi people themselves.

Vacant houses are increasing in villages, all governments

will have to work on a plan to save them from desolation

The central government and the respective state governments have launched several schemes for the revival of houses and old mansions in border villages, but there is no plan for those ordinary houses in villages which are closed/vacant because their owners live in the city. States as well as the center need to be aware about this. Earlier, locks were seen hanging on the main doors of houses in hilly states and border villages, but now this scope of desolation is increasing rapidly even in prosperous villages of Punjab, Haryana, Uttar Pradesh etc. The history of human civilization is linked to migration. Villages developed into cities. Evidence of rural and urban civilization living together is found in Mohenjodaro and Harappa. There are many such evidences in the Vedas and Upanishads as well. The rural economy remained based on agriculture and cottage industries related to it for a long time. It also remained self-sufficient due to limited requirements and barter based market. Before the mechanization of agriculture, being based on human labor, large houses in villages were a necessity for joint family and animal husbandry. Joint family and social organization in villages were the result of that. With time, the industrial revolution changed rural and urban relations. Due to this, the role of villages became that of providing agricultural products and human labor to the cities and cities developed as special centers of industrial and other business activities. For the expansion of industrialization, governments made policies to keep agricultural products and human labor cheap, due to which cities along with industries expanded rapidly and economic prosperity came, while villages turned into urban colonies. After the mechanization of agriculture and expansion of market in villages, traders, artisans, non-agricultural and agricultural workers migrated to cities due to negative and positive reasons. The industrial revolution changed rural and urban relations, the main role of villages became that of providing cheap food grains and human labor to the cities, cities developed as special centers of industrial and other business activities. To expand industrialization, governments made policies to keep agricultural products and human labor cheap, which led to rapid expansion of industries as well as cities. This process of expansion became more widespread over time. Due to the expansion of primary education in villages and increasing employment opportunities in cities, the representation of farmer families has also increased in government and private services. According to government data, in the year 1960, 81.60 percent of the population lived in rural areas, which probably decreased to 64.17 percent in 2022 due to these reasons. Today, due to lack of employment opportunities in rural areas, decreasing income in farming, government indifference towards villages and planned development in cities, public facilities, expansion of service sectors and employment opportunities, a large number of rural youth are leaving villages and settling in cities. Economic and sociological studies of villages in Punjab have revealed shocking facts. Here one or more members from 14.34 percent of rural families are abroad. Due to men going out, the number of women and lonely elderly people has increased in villages, locks are hanging in big houses. The UP Economic Survey report shows that the per capita income of Gautam Buddha Nagar, a district with industry and service sector, is 22 times more than the agriculture-based Pratapgarh. A large number of agricultural labourers from states like Bihar, Uttar Pradesh are settling in the villages of Punjab, due to which the religious-social structure there is changing. Labourers from Bihar, Uttar Pradesh etc. are also going to southern states like Kerala. Due to difficult geographical conditions and economic conditions, the youth of Himachal and Uttarakhand are also rapidly migrating towards the metros. Here the elderly are living with the sadness of loneliness, the reality of which we see in the character of Padam Singh and his wife Tulsi of the film 'Pyar', who are living their lives in the mountains waiting for their son. Domestic tourism has increased after Corona. To take advantage of this, businessmen from the plains are investing in hotels and resorts in the hill states, due to which local residents are moving out of the hill tourist places. Due to this, dissatisfaction is growing there. Although, to overcome this, the respective governments have imposed restrictions on purchase of land by residents outside the state, but this trend is increasing. The condition of villages in most of the plain states is also the same. Here too, the houses of families who have settled in the city for government service and business are locked. They are not able to sell them as it is related to the honor of their ancestors. Hence, gradually they are becoming useless and deserted. The central government and the respective state governments have started many schemes for the revival of houses and old mansions in border villages, but there is no scheme for those ordinary houses in the villages, which are closed/vacant due to their owners living in the city. States as well as the Center need to be conscious about this.

शादी को राजी तो हुआ मगर लड़की को दे दिया जहर...अब बेटी की मौत से बिलख रहा परिवार

मुरादाबाद– सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में एक युवती की संदिग्ध हालात में मौत के मामले मृतका की बहन की तहरीर पर पुलिस ने सात नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना सिविल लाइंस पुलिस को दी गई तहरीर में मृतका की बहन ने बताया कि उसकी बहन का पिछले चार वर्षों से एक युवक के साथ प्रेम संबंध था। युवक लगातार उसे शादी का झांसा देता रहा और दोनों रिलेशनशिप में रह रहे थे। युवती पिछले कुछ महीनों से काशीपुर (उत्तराखंड) में एक निजी कंपनी में कार्यरत थी, जहां आरोपी युवक उससे मिलने आता-जाता रहता था। आरोप है कि जब युवती ने युवक से शादी की बात की तो उसने 25 लाख रुपये की मांग करते हुए शादी से इनकार कर दिया। पीड़िता की मां ने जब युवक के घरवालों से इस संबंध में बातचीत की तो उन्होंने कथित रूप से साफ कह दिया कि बिना 25 लाख रुपये के वह अपने इकलौते बेटे की शादी नहीं करेंगे। इस बातचीत के दौरान युवक के परिजन और रिश्तेदारों ने कथित तौर पर पीड़िता की मां के साथ अभद्रता भी की। इसके बाद बीती 8 जुलाई की सुबह युवती ने परिजनों को फोन कर बताया कि युवक शादी के लिए तैयार हो गया है और उसे मंदिर ले जाकर शादी करेगा। लेकिन कुछ ही घंटों बाद युवती का दोबारा फोन आया, जिसमें वह रोती-बिलखती सुनाई दी और अपनी बिगड़ती हालत की जानकारी दी। उसने बताया कि मंदिर में प्रसाद के रूप में उसे जहरीली वस्तु दी गई, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन जब मुरादाबाद पहुंचे तो युवती सरकारी अस्पताल में भर्ती थी। डॉक्टरों ने भी यह संकेत दिए कि उसे कोई जहरीला पदार्थ दिया गया है। हालात गंभीर देख परिजन उसे एक निजी अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मामले में युवती की बहन की ओर से थाना सिविल लाइंस में सात नामजद लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है, जिनमें युवक, उसके माता-पिता, बहनों और जीजा शामिल हैं। थाना सिविल लाइंस प्रभारी निरीक्षक मनीष सक्सेना ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

कांवड़ियों की सब्जी में अंडे की ग्रेवी ? नेशनल हाईवे पर खूब हुआ हंगामा

मुरादाबाद– सावन माह के पहले दिन ही नेशनल हाईवे पर खाना खाने के लिए रूके कांवड़ियों ने होटल पर अंडे की ग्रेवी में छोले मिलाने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। इसी बीच



के हजरतनगर गद्दी थाना क्षेत्र के रहटौल गांव निवासी शेखर ठाकुर, सुबोध, अमूल ठाकुर, कौशल, अनिकेत, शिवम कश्यप, अनिरुद्ध, पंकज, आशीष व शिवा समेत कई कांवड़ यात्री ब्रजघाट से जल लेकर वापस जा रहे थे। रास्ते में दिल्ली लखनऊ हाईवे पर सभी शिव भक्त ख्यालीपुर ढाल के पास एक ढाबा पर खाना खाने के लिए रुके। कांवड़ यात्रियों ने बताया कि उन्होंने छोले की सब्जी का आर्डर दिया था। आर्डर मिलने पर जैसे ही उन्होंने खाना शुरू किया। वैसे ही उन्हें लगा कि छोले अंडे की ग्रेवी में बने हुए हैं। तभी सभी ने होटल के कारीगर से शिकायत की। इस पर कारीगर कांवड़ यात्रियों से अभद्रता करने लगा। तभी कांवड़िये भी भड़क गए और हंगामा करने लगे। जानकारी मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और कांवड़ियों को आश्वासन दिया कि वे लोग होटल स्वामी के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। समझाने पर कांवड़ यात्री मान गए। इसके बाद कांवड़ यात्री दोबारा ब्रजघाट पर गंगा स्नान करने लिए वापस गए और वहां स्नान करने के बाद जल भरकर जलाभिषेक करने के लिए रवाना हो गए। सीओ अंजली कटारिया ने बताया कि खाना खाने को लेकर कांवड़ियों की होटल पर काम करने वाले कर्मचारियों से नॉक-ड्रॉक हुई थी। जिसके बाद कांवड़ियों को शांत करा दिया गया था। अंडे की ग्रेवी वाला कोई मामला नहीं है।

राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास की अधीक्षिका के भ्रष्टाचार में निलंबन से विभाग में हलचल

मुरादाबाद– समाज कल्याण विभाग से संचालित राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास की अधीक्षिका प्रवेश कुमारी के घोटाले और भ्रष्टाचार के मामले में निलंबित होने की जानकारी से शुक्रवार को विभाग में हलचल मच गई। उन पर 10 लाख के होने के बाद मंत्री के आदेश पर शासन ने कार्रवाई की। बाद भवन के आरंभ के लिए 7 जुलाई को समाज अरुण मुरादाबाद आए थे। उनसे मिलकर छात्रों ने बाद मंत्री ने मामले में जांच का आदेश दिया था। जांच पर निलंबन की कार्रवाई की जानकारी मिलते ही विभाग रही। हालांकि शुक्रवार को जिला समाज कल्याण लेखाकार रिजवान ने बताया कि प्रवेश कुमारी ने 2015– की अधीक्षिका का पदभार ग्रहण किया था। अनुसूचित होने के कारण उसकी मरम्मत और सुरक्षा व्यवस्था के कार्य कराने के लिए निदेशालय से 10 लाख रुपये की ही दो फर्म कार्तिक और आर्ट लाइन कंपनी के बिल कराने से पहले निकाली गई धनराशि से तीन महीने

आनन फानन में मरम्मत कार्य किया शुरू– डॉ. भीम राव आंबेडकर छात्रावास के जीर्णोद्धार के बाद 7 जुलाई को भवन का उद्घाटन करने समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण आए तो छात्रावास में रहने वाले छात्र कावेन्द्र, दीपक, संजीव और नितिन ने छात्रावास की दयनीय की हालत के बारे जानकारी दी। मंत्री असीम अरुण से कहा कि आपके आने के चलते आनन फानन में छात्रावास की मरम्मत कार्य शुरू किया गया है। जिसके बाद मंत्री ने कार्यक्रम के बाद निदेशालय से मुरादाबाद अनुसूचित जाति के छात्रावास की मरम्मत के लिए दी गई धनराशि के बारे में जानकारी कर जांच टीम गठित की।



मुरादाबाद में पुलिस की चेकिंग तेज, मीट की दुकानें बंद... शराब की दुकानों पर डाला गया पर्दा

मुरादाबाद– कांवड़ यात्रा शुरू होते ही मुरादाबाद पुलिस एक्शन में आ गई। कांवड़ मार्ग पर मीट की दुकानें बंद और शराब की दुकानों पर पर्दा डलवा दिया गया। होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों की किचन



चेकिंग अभियान चलाया और रसोई भी चेक किए किचन में यह देखा गया कि क्या-क्या खाना तैयार हो रहा है। बृहस्पतिवार को पंचायत भवन में एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह और एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने जिले भर से आए लोगों से संवाद किया था। इनमें डीजे संचालक, भंडारा आयोजक और कांवड़ जत्था प्रमुख शामिल हुए थे। उन्होंने अफसरों के सामने कई मुद्दे उठाए और यह भी कहा कि कांवड़ मार्ग पर मीट की दुकानें तो बंद कराई ही जाएं। साथ ही शराब की दुकानों को भी बंद किया जाए। इस अफसरों ने आश्वासन दिया कि वह इस संबंध में कुछ निर्णय लेंगे। सावन के पहले ही दिन शुक्रवार को कांठ, छजलैट, सिविल लाइंस, कोतवाली, गलशहीद, कटघर, मूंडापांडे, पाकबड़ा, मझोला समेत उन सभी थाना क्षेत्रों में शराब की दुकानों को पर्दे से ढकवा दिया गया। मीट की दुकानें और मांसाहार परोसने वाले होटल, रेस्टोरेंट और ढाबे भी बंद करा दिए गए हैं। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि कांवड़ मार्ग पर मीट की दुकानें बंद करा दी हैं। साथ ही शराब की दुकानों पर पर्दा डलवा दिया गया है। एसपी सिटी ने कांवड़ मार्ग का किया निरीक्षण एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने शुक्रवार सुबह कांठ रोड पर ब्लैक स्पोर्ट, कांवड़ शिविर स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने डिवाइडर ठीक करने और बैरियर लगाने के निर्देश दिए। इसके अलावा शुक्रवार शाम को वह दिल्ली रोड पर जीरो प्वाइंट पर पहुंचे और पुलिस बृथ व कांवड़ शिविर देखे।

लड़की ने वीडियो वायरल किया तो भड़के हिंदू संगठन...दूसरे समुदाय के युवक पर भगाने का आरोप

मुरादाबाद– डिलारी थाना क्षेत्र के गांव मुस्तापुर बडेरा में दूसरे समुदाय के युवक पर हिंदू युवती को जाने का आरोप लगा है। लोगों में गया जब सोशल मीडिया पर लड़की वायरल हुआ। लड़की का कहना है बदल लिया है। बजरंग दल ने भी के बाद हंगामा किया। फिलहाल तलाश कर रही है।दलित लड़की और नाजिम के बीच प्रेम प्रसंग की और परिवार के लोगों को भी थी। बातचीत करते थे। मौका लगते ही को लड़की को लेकर फरार हो गया। अब वायरल हुए वीडियो में लड़की को कहते सुना जाता है कि उसने अपनी मर्जी से नाजिम के साथ आई है। उसने अपनी मर्जी स इस्लाम धर्म कबूल किया है। दूसरी तरफ मामला सामने आने के बाद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने विरोध जताते हुए थाने का घेराव किया और आरोपी युवक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। कहा जा रहा है कि युवती दो दिन से लापता थी, जिसके बाद परिजनों ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। जांच में सामने आया कि युवती के संपर्क में एक युवक था, जो दूसरे समुदाय का है। परिजनों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि युवक युवती को बहला-फुसलाकर साथ ले गया है। इस मामले को लेकर विहिप के कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से मांग की कि आरोपी को तत्काल गिरफ्तार कर युवती को सकुशल बरामद किया जाए। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि थाने में गुमशुदगी दर्ज है। युवती की तलाश जारी है और जल्द ही मामले की सच्चाई सामने लाई जाएगी।



संक्षिप्त समाचार नाबालिग से रेप के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

अमरोहा– किसान की नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म कर उसे जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को अदालत ने दोषी करार देते हुए उसे उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 40 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। घटना गजरोला थाना क्षेत्र के एक गांव में 18 मार्च 2023 की है। गांव के निवासी किसान की 16 वर्षीय बेटी को गांव के ही रहने वाले मोनिस ने अपने प्रेमजाल में फंसा लिया था। शादी का झांसा देकर करीब डेढ़ साल तक शारीरिक संबंध बनाए। किशोरी ने जब शादी का दबाव बनाया तो आरोपी टालमटोल करने लगा। 18 मार्च 2023 को किसान किसी काम से मुंबई गया हुआ था जबकि पत्नी गांव में ही एक कार्यक्रम में गई हुई थी। उसी दौरान मोनिस किसान के घर में घुस आया, नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म किया। बाद में शादी करने से इंकार कर दिया। दुष्कर्म के बाद आरोपी ने किशोरी को जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ थाना गजरोला में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। गिरफ्तार करके पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया था, लेकिन वह जमानत पर छूटकर आग गया था। मुकदमे की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश विशेष पॉक्सो एक्ट प्रथम की अदालत में चल रही थी। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक रतनलाल लोधी पैरवी कर रहे थे। शुक्रवार को आखिरी सुनवाई के दौरान अदालत ने पत्रावली के अवलोकन व साक्ष्य के आधार पर मोनिस को दोषी मानते हुए उसे उम्रकैद और 40 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है।

युवती की जहर देकर की गई थी हत्या, प्रेमी समेत सात पर केस, लिव इन रिलेशन में रह रही थी प्रेमिका

मुरादाबाद– लिव-इन रिलेशन में रह रही युवती की मौत के मामले में पुलिस ने प्रेमी रिकू समेत उसके परिवार के सात लोगों पर हत्या का केस दर्ज किया है। युवती की बहन ने आरोप लगाया कि रिकू और उसके परिजनों ने शादी के बदले 25 लाख रुपये की मांग की थी। मांग पूरी न होने पर शादी का झांसा देकर मंदिर ले जाकर प्रसाद में जहर मिलाकर युवती की हत्या कर दी गई। सिविल लाइंस क्षेत्र में लिव इन रिलेशन में रहने वाली युवती की मौत के मामले में पुलिस ने प्रेमी समेत सात पर हत्या का केस दर्ज कर लिया है। युवती की बहन ने आरोप लगाया है कि आरोपी युवक और उसके परिवार ने शादी करने के लिए 25 लाख रुपये की डिमांड रखी थी।डिमांड पूरी न होने पर आरोपी और उसके परिजन शादी कराने का झांसा देकर मंदिर ले गए और प्रसाद में जहर मिलाकर उसे खिलाकर हत्या करा दी। रामपुर निवासी युवती काशीपुर (उत्तराखंड) में एक फैक्टरी में नौकरी करती थी। उसके साथ सोनकपुर पट्टी निवासी रिकू भी काम करता था।दोनों के बीच संबंध हो गए थे। इसके बाद युवती और युवक लिव इन रिलेशन में रहने लगे थे। युवती की बहन ने आरोप लगाया कि युवती ने रिकू से शादी की बात कही तो उसने 25 लाख रुपये की मांग रखी। मांग पूरी न होने पर वह शादी करने से इनकार करने लगा। पीड़िता की मां ने रिकू के परिजनों से बात की तो उन्होंने कहा कि उनका इकलौता बेटा है।

वह 25 लाख से कम में शादी नहीं करेंगे। आठ जुलाई की सुबह युवती ने परिजनों को फोन कर बताया कि रिकू शादी के लिए तैयार हो गया है और उसे मंदिर ले जाकर शादी करने की बात कह रहा है। कुछ देर बाद फिर से युवती ने अपनी बहन को कॉल की और वह घबरा रही थी। उसने बताया कि उसे मंदिर ले जाकर प्रसाद खिलाया था जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ रही है। परिजन जिला अस्पताल पहुंचे तो उसकी मौत हो चुकी थी। सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बताया कि युवती की बहन की तहरीर पर युवती रिकू, उसकी मां रामवती, पिता चंद्रपाल, बहन मीरा, सुष्मा और भाई जगत के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक – नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

इयँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

न्यूरिया नगर पंचायत में दुकानों के आगे स्लैब (सिलिप) तोड़ने को लेकर हुआ विवाद

क्यूँ न लिखूँ सच

नगर पंचायत क्षेत्र में आज उस समय विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई जब नगर पंचायत की टीम ने अतिक्रमण हटाने के तहत दुकानों के आगे बने सिलिप (पक्के स्लैब) को तोड़ना शुरू किया। स्थानीय व्यापारियों ने इसका विरोध करते हुए कहा कि बिना किसी पूर्व सूचना के यह कार्यवाही करना अनुचित है।नगर पंचायत के मेन चौराहे से बस स्टैंड मार्ग पर मार्ग और दोनों तरफ नालियों का निर्माण नगर पंचायत कर रही है जिसके कारण ये अतिक्रमण हटाना जरूरी है व्यापारियों ने आरोप लगाया कि नगर पंचायत सिर्फ चुनिंदा दुकानों पर ही कार्यवाही कर रही है, जबकि अन्य जगहों पर अतिक्रमण को नजरअंदाज किया जा रहा है। कुछ व्यापारियों ने मौके पर विरोध किया ओर नगर



◆ न्यूरिया नगर पंचायत द्वारा मेन चौराहे की दुकानों के आगे से अतिक्रमण को हटाते कर्मचारी

पंचायत अधिकारियों का कहना है कि सार्वजनिक रास्तों पर हुए अतिक्रमण को हटाना आवश्यक है ताकि पैदल राहगीरों और वाहनों की आवाजाही सुचारु रूप से हो सके। अधिकारी ने यह भी बताया कि पहले से ही चेतावनी दी जा चुकी थी, लेकिन दुकानदारों ने ध्यान नहीं दिया।व्यापारियों का कहना है की अगर दुकानों के आगे के सिलिप तोड़ने थे तो कल दुकानों के

सिलिप के आगे नाली कियो बनाई गयी जो कल नाली बनाई उसे आज तोड़कर व्यापारी का दुकानों के आगे का सिलिप तोड़कर नुकसान कर रहे है मौके पर स्थिति को देखते हुए पुलिस बल को भी बुलाना पड़ा ताकि कानून व्यवस्था बनी रहे। अंततः अधिकारियों और व्यापारियों के बीच वार्ता के बाद कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित कर दी गई।

यूनिवर्स अस्पताल में भर्ती युवती से छेड़छाड़ और दुष्कर्म की कोशिश , डॉक्टर पर एफआईआर दज

क्यूँ न लिखूँ सच

पं सत्यमशर्मा बरेली। इज्जतनगर के यूनिवर्स अस्पताल में भर्ती एक युवती के साथ इलाज के दौरान डॉक्टर द्वारा छेड़छाड़ और दुष्कर्म की कोशिश का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता ने घर पहुंचकर परिजनों को आपबीती सुनाई, जिसके बाद भाई ने आरोपी डॉक्टर के खिलाफ इज्जतनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इज्जतनगर क्षेत्र के रहने वाले एक युवक ने बताया कि उसकी बहन बीमार थी, जिसे उसने गुरुवार को पीर बहोड़ा स्थित



यूनिवर्स अस्पताल में भर्ती कराया था। अगले दिन शुक्रवार को जब वह बहन को अस्पताल से छुट्टी दिलाकर घर लाया तो बहन ने रोते हुए बताया कि अस्पताल में शुक्रवार को दोपहर लगभग

तीन बजे डॉक्टर नईम ने उसके साथ छेड़छाड़ की और दुष्कर्म का प्रयास किया। पीड़िता के अनुसार, जब उसने शोर मचाया तो डॉक्टर मौके से भाग निकला। डर की वजह से उसने अस्पताल में किसी को कुछ नहीं बताया। घर आकर उसने भाई को पूरी घटना की जानकारी दी। परिजनों ने आरोपी डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अस्पताल प्रबंधन से भी पूरे मामले में जवाब तलब किया जा रहा है। फिलहाल आरोपी डॉक्टर फरार बताया जा रहा है।

KTUR BA LIKHUN SACH

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश , उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की सम्पर्क करें-9027776991

चंद्रशेखर आजाद बोले: छीनी गई अल्पसंख्यकों की धार्मिक आजादी , ईद पर मुस्लिम सड़क पर पैर भी रख दें तो कार्रवाई

आजाद समाज पार्टी काशीराम के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि ईद पर मुसलमान यदि सड़क पर पैर भी रखे तो कार्रवाई हो जाती है।आजाद समाज पार्टी काशीराम के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि अल्पसंख्यकों की धार्मिक आजादी को छीना जा रहा है। मुसलमानों को शूद्र बनाने की कोशिश हो रही है। एक तरफ सरकार कांवड़ यात्रा के इंतजाम करती है, वहीं ईद की नमाज में मुसलमान सड़क पर पैर भी रख दे तो कार्यवाही हो जाती है।

उन्होंने दलित, पिछड़े और मुसलमानों के सियासी गठजोड़ बनाने पर जोर दिया। शनिवार को वो पार्टी के मुस्लिम संवाद कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।आजाद समाज पार्टी काशीराम की ओर से अटल बिहारी बाजपेयी साइंटिफिक कंवेन्शन सेंटर में



आयोजित संवाद में उन्होंने कहा कि ये सिर्फ संवाद नहीं, आंदोलन की आगाज है। आज मुस्कराने के हालात नहीं है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जो सरकार के साथ नहीं है उनके अधिकारों को छीना जा रहा है, उनका शोषण हो रहा है, यादव, लोधी, कुर्मी, साहू

कोई बचा नहीं है। उन्होंने प्रदेश सरकार पर हमला करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री बताएं धामपुर में मुसलमानों की दुकानें क्यों बंद कराई गईं। वो दुकानें तो मीट की नहीं, चाय और नाई की दुकानें हैं। हिंदू ढाबा संचालक को पीटा गया। हालात ये हैं कि कानपुर में दरोगा ही व्यापारी

सपा पीडीए की सोच के साथ गाँव-गाँव , गली- गली तक पहुंचने को तैयार : शिव चरन कश्यप

क्यूँ न लिखूँ सच

पं सत्यमशर्मा बरेली। जिलाध्यक्ष शिवचरन कश्यप ने मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए बताया कि बूथ जीतेंगे तो 2027 में सरकार बनाएंगे। समाजवादी पार्टी का हर कार्यकर्ता आज पीडीए की सोच के साथ गाँव-गाँव, गली-गली तक पहुंच रहा है।और पीडीए की जनता सत्ता परिवर्तन करने को तैयार है। महानगर अध्यक्ष शमीम खां सुल्तानी ने कहा जनता मंहगाई, बेरोजगारी और बदहाल सफाई व्यवस्था से त्रस्त है। समाजवादी कार्यकर्ता हर वार्ड में जनसमस्याओं को लेकर संघर्षरत हैं। बूथ स्तर पर जनता का विश्वास समाजवादी विचारधारा की ओर लौट रहा है। पूर्व विधायक विजयपाल सिंह ने कहा आज उत्तर प्रदेश में किसान उठा गया है, नौजवान उठरा हुआ है और व्यापारी डरा हुआ है। समाजवादी पार्टी 2027 में अखिलेश यादव जी को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लेकर चल रहा है। बैठक का



संचालन जिला कोषाध्यक्ष अशोक यादव ने किया और नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष राजकुमार पाल,मो मुस्ताक अहमद को जोरदार स्वागत हुआ सभी ने बधाई दी.बैठक में अखलाक अहमद, राजेश अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष बृजेंद्र यादव, समर्थ मिश्रा, नदीम अली, मनोहर पटेल, दिनेश यादव, सुरेंद्र सोनकर, दीपक शर्मा ,हैदर अली,सतेन्द्र श्रीवास्तव जिला पंचायत सदस्य, ब्रजेश श्रीवास्तव सविता, भारती चौहान,सूरज यादव,राजेश मौर्य,द्रोण कश्यप, आदि लोगों ने अपने विचार रखे। सुरेंद्र यादव, जितेंद्र मुंडे,

राम सेवक प्रजापति,अलीम सुल्तानी, गुलबशर खान,मुकेश मिश्रा, सुरेश गंगवार,रोहित राजपूत,ऋषि यादव शरद यादव,खालिद राना,राजेश यादव, मुकेश पांडे,राकेश यादव,संजीव कश्यप, संदीप मौर्य,मोहित भारद्वाज,मो एजाज अहमद , अविनाश मिश्रा,श्यामवीर सिंह, गुर्जर, इं. सतेंद्र यादव,रश्मि हाशमी,मो बासिम,डॉ सफीकुद्दीन,काशीराम भारती,राजवीर यादव, चमन सिंह ,छेदलाल दिवाकर, छत्रपाल यादव अखिलेश पटेल,अब्दुल जब्बर,नाजिम कुरैशी,इस्तियाक सकलेनी,यशवंत सिंह यादव आदि लोग मौजूद रहे।

रिटायर्ड वैज्ञानिक से 1.29 करोड़ रुपये ठगने वाले दो और ठग गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच

पं सत्यमशर्मा बरेली। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के रिटायर्ड वैज्ञानिक को डिजिटल अरेस्ट कर 1.29 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में साइबर क्राइम थाना पुलिस को दूसरी सफलता मिल गई। टीम ने मिर्जापुर में दबिश देकर स्नातक छात्र दीपू पांडेय और फैक्टरी शुभम यादव को गिरफ्तार कर लिया। टीम दोनों को बरेली ले आई। इन्हें शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। पुलिस अब तक छह आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। चार आरोपियों को पहले ही जेल भेजा जा चुका है। पुलिस के मुताबिक आरोपी दीपू पांडेय और शुभम यादव उसी गिरोह के सदस्य हैं, जिसने रिटायर्ड वैज्ञानिक को डिजिटल अरेस्ट



कर ठगी की थी। दोनों आरोपी विभिन्न खाताधारकों की सहमति से कमीशन पर उनका बैंक खाता लेते हैं। इनके गिरोह के अन्य सदस्य, डिजिटल अरेस्ट किए गए व्यक्ति का पैसा इन अकाउंट में ट्रांसफर करात हैं। इसके बाद अलग-अलग बैंक खातों में रुपये ट्रांसफर कराकर अंत पूरी धनराशि को क्रिप्टोकॉरेंसी में बदलकर अपने गिरोह के सदस्यों के क्रिप्टो वॉलेट में भेज देते हैं। उक्त धनराशि को साइबर

ठगों ने उसी दिन 125 भिन्न-भिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर कराकर अंत में संपूर्ण धनराशि को क्रिप्टोकॉरेंसी में बदलकर अपने गिरोह के सदस्यों के क्रिप्टो वॉलेट में भेज दिया गया है। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी अंतरराज्यीय गिरोह के सक्रिय सदस्य हैं। गिरोह के सदस्य दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, केरल, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान में फैले हुए हैं।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

राजस्व अधिकारी ने अपनी पत्नी के नाम अवैध रूप से कराया सरकारी जमीन का पट्टा

क्यूँ न लिखूँ सच -शेर सिंह

भुता। कस्बा भुता में एक अजीब मामला प्रकाश में आया, भ्रष्टाचार की पोल खोल रहा है। एक राजस्व अधिकारी ने अपनी पत्नी के नाम सरकारी जमीन का अवैध रूप 40 साल पूर्व में पट्टा करा लिया। अब कब्जा करने के लिए निर्माण शुरू किया, तभी ग्राम प्रधान सहित ग्रामीणों ने विरोध कर, जिलाधिकारी बरेली को प्रार्थना पत्र देकर पट्टा निरस्त किये जाने की मांग की है। तथा सीएम पोर्टल पर भी शिकायत की गयी है। प्रेमा देवी पत्नी श्यामाचरण निवासी मिल्क गोटिया मजरा गजनरा के मूल निवासी है। श्यामाचरण पूर्व में तहसील फरीदपुर में राजस्व अधिकारी के पद पर तैनात था। तभी 1985 में ग्राम पंचायत उमेदपुर भुता के प्रधान छेदा लाल से व राजस्व विभाग के उच्च अधिकारियों से साठ गांठ कर श्यामाचरण ने अपनी पत्नी के नाम सरकारी जमीन का अवैध रूप कस्बा भुता में गाटा संख्या 511 में पट्टा करा लिया ,जो की गाटा संख्या 511 चक मार्ग में दर्ज है। लगभग 40 वर्ष बाद श्यामाचरण ने जब अवैध रूप से किया गया पट्टे पर कब्जा करना शुरू किया, तब इसकी जानकारी ग्राम प्रधान और ग्रामीणों को हुई। तभी ग्राम प्रधान व ग्रामीणों ने निर्माण कार्य रुकवा दिया। ग्रामीणों ने दूसरे गांव के रहने वाले राजस्व अधिकारी ने फर्जी पट्टा कराने को लेकर भारी हंगामा भी किया, जिसकी शिकायत ग्रामीणों व ग्राम प्रधान बृजेश गंगवार ने जिलाधिकारी बरेली से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर अवैध रूप से पट्टा निरस्त किये जाने की मांग की है। इधर जागरूक ग्रामीणों व ग्राम प्रधान कहना है कि अवैध पट्टा निरस्त नहीं हुआ तो धरना प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। आज इस मामले को लेकर ग्राम प्रधान बृजेश गंगवार सहित जागरूक ग्रामीण समाधान दिवस में भी प्रार्थना लेकर पहुंचे, लेकिन कोई राजस्व विभाग का उच्च अधिकारी न आने के कारण कोई समाधान संभव नहीं हो सका।

बरेली में खुलेआम दबंगई: इस्लामिया इंटर कॉलेज के गेट का ताला तोड़कर घुसे कार सवार , वीडियो वायरल

क्यूँ न लिखूँ सच- पं सत्यमशर्मा

बरेली। कोतवाली इलाके में प्रतिष्ठित इस्लामिया इंटर कॉलेज में दो दबंग युवकों ने मेनगेट बंद होने के बावजूद जबरन ताला तोड़ दिया। गालीगलौज व धमकी देते हुए वह अपनी कार कॉलेज से निकाल ले गए। इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। कॉलेज के प्रधानाचार्य तौकीर सिद्दीकी ने इसे सुरक्षा के लिए खतरा बताकर आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी। इस पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कॉलेज परिसर में इन दिनों बाउंड्रीवाल का निर्माण किया जा रहा है। कॉलेज मैदान का पश्चिमी गेट, जो बिहारीपुर पुलिस चौकी के सामने है। यह गेट छुट्टी के बाद बंद कर दिया जाता है। बुधवार दोपहर करीब ढाई बजे कॉलोनी निवासी निक्की और तोसी पुत्र देवेंद्र मौर्य कार से पहुंचे। गेट बंद होने के कारण छोटे गेट से अंदर घुस आए। आरोप है कि दोनों युवक ईंट उठाकर गेट का ताला तोड़ने लगे। शोर सुनकर चौकीदार मजहर खां और निर्माण कार्य में लगे मजदूर मौके पर पहुंचे। युवकों को ताला तोड़ने से रोका। इस पर दोनों भड़क गए।

पति से मांगे पत्नी ने पैसे , बदले में मिला दर्द , देवर अरबाज भी निकला दरिंदा ; भाई संग मिल उसने भी किया जुल्म पीड़िता आमना ने शनिवार को थाने पहुंचकर अपने पति कामिल पुत्र आकिल व देवर अरबाज पुत्र आकिल निवासीगण ग्राम ढ़बारसी मसूरी के खिलाफ पुलिस को तहरीर देकर एफआईआर दर्ज कराई है। गाजियाबाद स्थित मसूरी क्षेत्रांतर्गत गांव ढ़बारसी में घर के खर्च के लिए पैसे मांगने पर महिला ने पति और देवर पर मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया। महिला ने पति व देवर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।1500 रुपये मांगने पर पीटा

पुलिस को दी तहरीर में आमना पुत्री सईद अहमद ने बताया कि उसकी शादी करीब 10 वर्ष पूर्व कामिल पुत्र आकिल निवासी ढ़बारसी मसूरी के साथ हुई थी। उसका पति गाड़ी चलाने का काम करता है, लेकिन घर का खर्च नहीं देता है। जब उसने 10 जुलाई को घर के राशन के लिए 1500 रुपये मांगे तो पति ने पैसे देने से मना कर दिया और उसके साथ मारपीट करने लगा। पति संग देवर ने भी पीटा पीड़िता का कहना है कि उसी समय उसका देवर अरबाज भी घर पर ही था उसने भी उसके साथ मारपीट की।

प्रशिक्षु महिला सिपाही ने दी
जान... सात महीने बाद
मिलनी थी पोस्टिंग; इसलिए
उठाय़ा ख़ौफनाक कदम

धर्मतरण के आरोपी छांगुर के जिहाद के जांच की आंच इकौना पहुंचा। प्रशासन ने सैयद सिराजुद्दीन हाशमी से छांगुर का लिंक तलाशने में जुटा है। जांच के दौरान टीम एक मदरसा सील करके अभिलेख टीम अपने साथ ले गई। हिंदू परिवारों का धर्म परिवर्तन, लव जिहाल व देश विरोधी गतिविधियों के आरोपी बलरामपुर के उतरौला निवासी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर मामले की जांच अब श्रावस्ती के इकौना तक पहुंच गई है। अमर उजाला में प्रकाशित समाचार %श्रावस्ती में भी मिले छांगुर के कनेक्शन, कसेगा शिकंजा% का संज्ञान लेकर पुलिस व प्रशासनिक टीम शनिवार को इकौना देहात के रहमान पुरवा स्थित जामिया नूरिया फातिमा लिल बनात संस्था/मदरसा पहुंची। एडीएम के नेतृत्व में पहुंची टीम ने मदरसा सील करके वहां रखे अभिलेख अपने साथ ले गई। गुजरात के वडोदरा जिले के घोबोड निवासी सैयद सिराजुद्दीन हाशमी ने इकौना देहात के रहमान पुरवा में 2019 में जामिया नूरिया फातिमा लिल बनात संस्था/मदरसा बनवाया था। इस आवासीय बालिका मदरसे में 300 छात्राएं रहकर शिक्षा ग्रहण कर रही थीं। जबकि, इसकी मान्यता भी नहीं थी। बाद में उसने मदरसे के बगल में करीब दो बीघा भूमि और खरीदी। उस पर भवन निर्माण शुरू कराया था। एक मई को एसडीएम की जांच में मदरसा संचालन से संबंधित अभिलेख नहीं मिले। इसके बाद तीन मई को डीएम के निर्देश पर मदरसे को सील कर दिया गया था। इसमें सैयद सिराजुद्दीन हाशमी का आवास होने के कारण आवासीय परिसर को बाद में खोल दिया गया। हालांकि, मदरसा सील था। अब छांगुर मामले में नाम आने के बाद शनिवार को एडीएम अमरेंद्र कुमार वर्मा के नेतृत्व में एसडीएम ओम प्रकाश, सीओ भिनगा सतीश शर्मा, नायब तहसीलदार अमरेश कुमार, एसओजी टीम प्रभारी नितिन यादव व एसओ अखिलेश पांडेय की टीम मदरसा पहुंची। इस दौरान वहां रखे अभिलेख टीम अपने साथ ले गई। सैयद सिराजुद्दीन हाशमी की समुराल बलरामपुर के उतरौला में है। वहां आने-जाने के दौरान वह छांगुर के संपर्क में आया। इसके बाद उसका उतरौला आना-जाना बढ़ गया। ऐसे में सैयद सिराजुद्दीन हाशमी व छांगुर के मध्य क्या कनेक्शन है? टीम इसे तलाशने में जुटी है। छापेमारी के दौरान इसके तीन बैंक खातों का खुलासा हुआ। इनमें एक स्थानीय व दो गुजरात के हैं। इनकी जांच बैंक व ट्रेजरी के अधिकारियों से कराई जाएगी। मदरसा निर्माण के लिए पैसा कहां से आया? डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि मदरसे से मिले अभिलेख उर्दू में हैं। पहले उनका अनुवाद कराया जाएगा।

जिलाधिकारी ने तत्काल एक बैठक आयोजित करने के निर्देश दिये

क्यूँ न लिखूँ सच –श्याम जी कश्यप
फर्रुखाबाद उत्तर प्रदेश– जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी ने तत्काल एक बैठक आयोजित



करने के निर्देश दिये। डीएम ने कहा कि पूर्व में दिये गये निर्देश के बावजूद भी अब तक पांचाल घाट पुल के गड्ढे क्यो नही भरे गये। डीएम ने कहा कि मुझे लिखकर दीजिए कि पुल की मरम्मत व कांवड़ मार्ग में गड्ढे कब तक भरे जायेंगे। पूर्व की कार्ययोजना निम्न स्तर की सिद्ध हुई। पर्याप्त समय लेने के बावजूद कार्य उच्च स्तर का नहीं हुआ है, यह अंतर्गत खेदजनक है। डीएम ने दूरभाष से उच्चाधिकारियों से भी वार्ता की। रबर वैरियर कार्य जारी होने के समय बेकार सिद्ध हुए। स्थायी कार्य के लिए कार्य योजना बनाये। पुल की लम्बाई, दो खम्बों की दूरी, डैमेज की क्वालिटी व गिनती कर अवगत कराये, ताकि मरम्मत के समय की गणना की जा सके। सर्वोत्तम तरीका यही है कि यातायात पूर्ण रूप से बंद कर पुल की मरम्मत भरपूर मानव शक्ति का उपयोग करके की जाये और तैयारी के साथ कार्य करें। प्रतिदिन मॉनीटरिंग की जायेगी। इस विषय पर कार्य से पूर्व एक बैठक और की जायेगी। थानाध्यक्ष कादरीगेट ने पांचाल घाट पुलिस चौकी पर एक कन्ट्रोल रूम बनाने का प्रस्ताव दिया। सिविल इंजीनियर की टीम कार्य करेगी। बैठक में संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी व अभियंता आदि मौजूद रहे।

कांधला में झोलाछाप डॉक्टरों का साम्राज्य! इलाज के नाम पर मौत बांट रहे नकली हकीम, सिस्टम चुप

क्यूँ न लिखूँ सच – राकेश गुप्ता
कांधला (शामली) |कांधला नगर इन दिनों झोलाछाप डॉक्टरों के हवाले होता जा रहा है। कस्बे की हर गली-मोहल्ले में इलाज के नाम पर झोलाछापों की दुकानें चल रही हैं न डिग्री, न अनुभव और न ही कानून का डर। आमजन की सेहत से खुलेआम खिलवाड़ हो रहा है और जिम्मेदार अफसर चैन की नींद सो रहे हैं बिना पढ़े, बिना समझे डॉक्टर साहब तैयार! ये झोलाछाप नीली-पीली शीशियों में मौत भरकर मरीजों को पिला रहे हैं। सामान्य खांसी-बुखार से लेकर गंभीर बिमारियों तक का इलाज करने का झूठा दावा कर, वे गरीब और अनजान लोगों को ठग रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की चुप्पी सवालों के घेरे में कई बार शिकायत के बाद भी न कोई जांच, न कोई कार्रवाई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग की मिलीभगत के बिना यह धंधा इतने खुलेआम नहीं चल सकता।राहुल बोले-एक तरफ सरकारी अस्पतालों में इलाज नहीं मिलता, और दूसरी तरफ झोलाछाप मौत के सौदागर बन बैठे हैं आखिर जाएं तो जाएं कहां जनता की मांग-झोलाछाप डॉक्टरों पर फौरन छापेमारी फर्जी क्लीनिक सील हों दोषियों पर एफआईआर दर्ज हो

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में थाना कुठौद में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच – नीरज कुमार
जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ0 दुर्गेश कुमार की अध्यक्षता में थाना



कुठौद परिसर में सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। थाना दिवस के दौरान उन्होंने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आम जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजनमानस की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाए और उसका निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस का यह आयोजन प्रशासन और जनता के बीच संवाद का एक सशक्त माध्यम बनता जा रहा है, जिससे जनविश्वास में वृद्धि हो रही है और समस्याओं का समाधान भी प्रभावी ढंग से हो पा रहा है। पुलिस अधीक्षक डॉ0 दुर्गेश कुमार ने भी जनसमस्याओं की सुनवाई के दौरान कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध किया जाए। आज थाना दिवस के दौरान भूमि विवाद, आपसी रंजिश, घरेलू हिंसा, रास्ता अवरोध और अन्य अपराध से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से कई मामलों का निस्तारण मौके पर ही किया गया, शेष शिकायतों के संबंध में आवश्यक जांच कर शीघ्र निस्तारण किये जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य, सीओ शैलेंद्र कुमार बाजपेई थाना अध्यक्ष अजय ब्रह्म तिवारी आदि अधिकारी मौजूद रहे।

ब्लॉक स्तर पर संगठन सृजन को लेकर कांग्रेस की समीक्षा बैठकें जारी

क्यूँ न लिखूँ सच – राकेश गुप्ता

कैराना शामली- ज़िला कांग्रेस कमेटी द्वारा संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत ब्लॉक स्तर पर मैराथन समीक्षा बैठकों का दौर जारी है। इन बैठकों में नए नियुक्त पदाधिकारियों के साथ संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और आगामी पंचायत चुनावों की रणनीति पर मंथन किया जा रहा है।बैठकों में ब्लॉक अध्यक्षों के साथ न्याय पंचायत स्तर पर मंडल अध्यक्षों का चयन किया जा रहा है। प्रत्येक मंडल का नाम संबंधित क्षेत्र के किसी महापुरुष या शहीद के नाम पर रखा जाएगा, जिससे संगठन को सामाजिक, ऐतिहासिक और भावनात्मक मजबूती मिल सके।बैठकों का उद्देश्य कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर तक सक्रिय करते हुए पंचायत से लेकर ज़िला स्तर तक मजबूती प्रदान करना है। बैठक की जानकारी देते हुए ज़िला समन्वयक ज्ञानेंद्र राघव ने बताया कि यह केवल संगठन निर्माण नहीं, बल्कि विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का अभियान है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता श्री राहुल गांधी के विज़न को साकार करने हेतु पूर्ण निष्ठा से लगे हुए हैं।ब्लॉक कैराना में हुई बैठक का संचालन जिला महासचिव संदीप शर्मा ने किया। इस अवसर पर कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।उपस्थित प्रमुख कार्यकर्ता-जिला उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी शमशीर खान, शाहरख मंसूरी, नदीम अंसारी, आरिफ़, सोनु, वाजिद अली, फरमान, अंसारी गुलसाद, मोनु, इब्राहीम सिद्दीकी, फुर्गान, आदि।सभी कार्यकर्ताओं ने यह संकल्प लिया कि वे संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करते हुए कांग्रेस को गांव-गांव तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

कैराना पालिका में सियासी साजिश! सभासदों ने रचा नाटक, विधायक भी बने भागीदार?

क्यूँ न लिखूँ सच – राकेश गुप्ता
कैराना। नगर पालिका परिषद कैराना में एक बार फिर सियासत की परतें खुलने लगी हैं। हाल ही में कुछ सभासदों द्वारा पालिका अध्यक्ष के खिलाफ शुरू किया गया धरना अब संदेह के घेरे में आ गया है। धरने के दौरान तीन सभासदों की अचानक तबीयत बिगड़ने की खबर आई, लेकिन अब पूरे मामले को लेकर यह सवाल ज़ोर पकड़ने लगा है कि कहीं यह नाटक और राजनीतिक साजिश तो नहीं? स्थानीय नागरिकों और जानकारों का कहना है कि धरना प्रदर्शन, तबीयत बिगड़ने का झूमा, और फिर अस्पताल में भर्ती – यह सब एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा था ताकि पालिका अध्यक्ष को बदनाम किया जा सके और जन भावनाओं को भटकया जाए।पालिका अध्यक्ष पर बना फर्जी दबाव बताया जा रहा है कि कुछ सभासद लंबे समय से पालिका अध्यक्ष से मनमानी योजनाओं को पास कराने और व्यक्तिगत हितों को प्राथमिकता देने का दबाव बना रहे थे। जब उन्हें मनमाफिक फैसले नहीं मिले तो उन्होंने सड़क पर उतरकर हंगामा खड़ा कर दिया। धरने के दौरान तीन सभासदों की तबीयत खराब होने का दावा किया गया, लेकिन घटनास्थल पर मौजूद लोगों का कहना है कि यह महज़ एक दिखावा था, जिसका मकसद सिर्फ और सिर्फ पालिका अध्यक्ष को ब्लैकमेल करना था।विधायक की भूमिका भी संदेह के घेरे में इस पूरे ड्रामे में स्थानीय विधायक की भूमिका भी अब सवालों के घेरे में है। जैसे ही तबीयत बिगड़ने की खबर आई, विधायक मौके पर पहुँच गए और सभासदों से सहानुभूति जताने लगे। लेकिन शहर की जनता यह सवाल कर रही है कि जब नगर पालिका में विकास कार्य ईमानदारी से हो रहे हैं, जब पारदर्शिता से फैसले लिए जा रहे हैं – तब विधायक का इस ड्रामे में पक्ष लेना किसका समर्थन है?जनता का कहना है कि यदि विधायक वास्तव में जनहित के पक्षधर हैं तो उन्हें निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए न कि कुछ ‘चुनिंदा’ सभासदों की राजनीति में भागीदार बनना चाहिए।पालिका अध्यक्ष को मिल रहा जनसमर्थन पालिका अध्यक्ष के पक्ष में शहर के व्यापारी, समाजसेवी, और जागरूक नागरिक खुलकर सामने आ गए हैं। उनका कहना है कि अध्यक्ष ने अपने कार्यकाल में पारदर्शिता के साथ विकास के कई काम किए हैं और उनपर बेवजह सवाल उठाना केवल विकास की रफ्तार को रोकने की साजिश है। अब पूरे शहर में यह मांग जोर पकड़ने लगी है कि इस ‘धरना प्रकरण’ की उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए ताकि यह पता चले कि इसके पीछे कौन-कौन लोग हैं जो नगर की प्रगति में रोड़ा बनना चाहते हैं।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय धंजा में बृहद वृक्षारोपण हुआ

समाजसेवी और शिक्षक त्रिभुवन कुर्मी ने पौधों का किया रोपण

क्यूँ न लिखूँ सच –पवन यागिक
कोंच(जालौन) पूर्व माध्यमिक विद्यालय धंजा में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में अशोक नीम पीपल जैसे छाया दार एवं औषधि गुणों से भरपूर पौधों का रोपण किया गया इस अवसर पर सेठ वृंदावन इंटर कॉलेज के सेवा निर्वत प्रधानाचार्य बृज बल्लभ सिंह सेंगर ने बताया की वर्षों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है पूर्व माध्यमिक विद्यालय धंजा के प्रधानाचार्य राम शंकर छानी ने रामायण के अशोक वाटिका का प्रसंग सुनाते हुए वृक्षों के महत्व के बारे में बतलाया वहीं वेतन भोगी समिति ब्लॉक नदीगांव के संचालक शिक्षक त्रिभुवन कुर्मी ने अपने कार्यकाल के नौ वर्ष पूर्ण होने पर नौ अशोक के पेड़ लगाकर उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया इस नेक कार्य करने के लिए प्रधानाचार्य राम शंकर छानी ने प्रभु श्री राम का चित्र उपहार स्वरूप भेंट किया। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष रामानुज गुर्जर, देवेन्द्र प्रताप सिंह, योगेश पाल सिंह, जितेंद्र रंजन, ऋषि कुमार, रिचा यादव, ग्राम प्रधान नरेंद्र पाल सिंह, प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रदीप कुमार, पूर्व प्रधान जगत सिंह कुशवाहा,रसोइया मंजिला देवी सहित एक दर्जन से अधिक ग्रामीण उपस्थित रहे

संक्षिप्त समाचार

मुकदमे से सम्बन्धित 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच –शैलेन्द्र कुमार पांडेय
पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान में गिरफ्तारी हेतु टीम गठित करके अभियान को सफल बनाने हेतु दिये गये निर्देशों के क्रम में श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक महोदय (ग्रामीण) व श्रीमान क्षेत्राधिकारी महोदय महसी के निर्देशन में थानाध्यक्ष हरदी के कुशल नेतृत्व में गठित टीम द्वारा आज दिनांक 12.07.2025 को थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 233/25 धारा-137(2),87 BNS से सम्बन्धित अभियुक्त अजीत पुत्र शत्रोहन निवासी पचदेवरी मैकूपुरवा थाना हरदी जनपद बहराइच को हिरासत पुलिस में लेकर नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुये अभियुक्त को माननीय न्यायालय रवाना किया गया ।

01 परिवार में सुलह कराते हुए परिवार को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच –शैलेन्द्र कुमार पांडेय
आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया , जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केन्द्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा पारिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर पारिवारिक दायित्वों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

सौरभ पटेल दाढ़ी भारतीय किसान यूनियन के ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत

क्यूँ न लिखूँ सच
कोंच(जालौन) भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष डा द्विजेंद्र सिंह निरंजन बड़ागांव ने सर्व सम्मति से भारतीय किसान यूनियन का कोंच ब्लॉक का अध्यक्ष सौरभ पटेल दाढ़ी को बनाया है इस ब्लॉक अध्यक्ष सौरभ पटेल के बनने पर भारतीय किसान यूनियन के तहसील अध्यक्ष चतुर सिंह पटेल तहसील महासचिव डा पीड़ी निरंजन आदि ने उन्हें माला पहनाकर उनका स्वागत सम्मान किया है सौरभ पटेल दाढ़ी ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन को कोंच ब्लॉक में आगे बढ़ाने के लिये किसानों को संगठन में जोड़ने का कार्य करेंगे साथ गांव में रहने वाले किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाकर निदान कराने का प्रयास करेंगे

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच

को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knslive@gmail.com

Not one or two, 10 dishes are made from potatoes around the world, you should also try it once

Potato is the star of every country's kitchen, which is a versatile ingredient from which countless tasty dishes are made around the world. Apart from being amazing in taste, potato is also very beneficial for health. If seen, potato fits some great dishes made from it. Potato is types of dishes are made from it. Many one of the most favorite and versatile foods from which different types of tasty dishes street food, potato has made its special place most favourite and tasty potato dishes from golden-brown French fries are the most ??potatoes and are eaten with ketchup or Aloo Paratha, is a wheat roti filled with butter on a pan. It is eaten with curd, pickle version of French fries, potato wedges are is served with garlic mayo or cheese sauce. which potatoes are cut into large pieces and Hasselback Potato (Sweden)- This is a with butter, garlic and cheese, which makes (England)- This is a British dish made by breakfast. Aloo Tikki (India)- Crispy and served with green chutney, curd and sweet chutney. Gnocchi (Italy)- This is an Italian dish in which small dumplings are prepared by making a mixture of boiled potatoes, flour and eggs and served with pasta sauce. Perogy (Poland)- This is a type of stuffed dumpling, which has a stuffing of mashed potatoes, cheese and onions. It is eaten by boiling and then lightly frying. Potato Gratin (France)- This is a rich and creamy dish, in which potatoes are cut into thin slices and baked with cheese, butter and cream.



in every taste. In such a situation, today we will tell you about one of the favorite and versatile foods in the world. Different delicious dishes are made from it around the world. Potato is in the world. It is such an ingredient present in every kitchen, are made in every country. Be it snacks, main course dishes or in every form. So what are you waiting for, let's know about the around the world. French Fries (France/America) Crispy and liked in the world. These are made by deep frying thinly sliced cheese dip. Aloo Paratha (India) The pride of Indian breakfast, spicy potato stuffing, which is served after baking in ghee or and butter. Potato Wedges (America) A thicker and more spicy cut into thick pieces and baked or fried with herbs and spices. It Patatas Bravas (Spain)- This is a famous tapas dish of Spain, in deep fried and topped with spicy tomato sauce and garlic aioli. unique dish in which potatoes are cut into thin slices and baked its texture crispy and soft from inside. Bubble and Squeak pan-frying boiled potatoes and leftover vegetables. It is eaten for spicy Aloo Tikki is an important part of Indian street food. It is

If you are confused between blind date and dating app, then know here which is better for finding a partner

People adopt different methods in the hope of finding the right partner, one of which is creating their profile on a dating app. But many such cases related to such apps have come to light which are also scary. In such a situation, how some things in mind. People spend a lot of time are disappointing. In such a situation, blind on dating apps to find a good life partner, but own in the beginning, but later it is revealed seen many such couples around you, who met Do you also feel that it is better to meet person you have come to meet will be there. us take this exploration of relationships a little two people does not happen suddenly on the Sometimes, even your co-workers introduce for him. Some matchmaking services also plan an app. It takes a lot of time and effort on the app, you spend time with each other face to where you start dreaming about his life or his face the reality when you go on a date. You which is not possible through phone calls or texting. In a blind date, you are able to recognize the correct gestures of the person to know whether he is as eager to meet as you are. You get to know whether he is serious about this date or is casual by meeting him. This makes it easier for you to take further decisions. You get a chance to meet people who are different from your type. Dating apps filter and show you only those profiles which are similar to your likes and hobbies. This limits your scope and reduces the chances of meeting those people who may be a better match for you. This helps you decide whether you want to keep communicating with that person further or not. If the conversation goes well even for the first time, then in two-four meetings you are able to take a better decision about that person.



to find the right life partner. For this, it is very important to keep on dating apps to find a partner. However, sometimes its results date can be better than these apps. People spend so many hours nothing comes out as a result. Some people start feeling like their that his entire profile was fake. At the same time, you must have at a friend's party and their relationship deepened over time. someone face to face than in the virtual world, where at least the This is a blind date but you will not be with someone blindly. Let further. Blind dates are not completely blind. This meeting of road, but is decided by a friend or someone close to you. you to a friend of theirs who thinks you can be a good partner such blind dates. In this way, going on a blind date is better than Ting app. But on a blind date, instead of spending hours on the face. By doing this, choosing becomes a little easier. On the app, personality by looking at his looks, hobbies in the profile, you get to know a person better through face-to-face conversation,

Apply these latest mehndi designs on your hands in Sawan, you will get the blessings of Shiva-Shakti

The month of Sawan which is starting from 11th July is dedicated to Lord Shiva. In this month, Mother Parvati got Shiva by doing penance and the tradition of applying mehndi started.



In this Sawan, you can also decorate your hands by applying the latest and trendy mehndi designs (Sawan Mehndi Designs). These latest mehndi patterns will make your hands beautiful. Applying mehndi on this occasion is very important. You can try some latest mehndi designs. The month of Sawan (Sawan 2025) is special in many ways. In this season, greenery is seen everywhere. This month is considered very important from the religious point of view. This time the holy month of Sawan is going to start from 11th July. It is said to be the favorite month of Lord Shiva and it is also believed that this month is the best to please Bholenath and get his blessings. Apart from this, this month is also considered special because Mother Parvati completed her penance in this month to get Lord Shiva and after this Shiva Shankar accepted her as his better half. It is said that during this time Mother Parvati also applied mehndi on her hands and due to this, the trend of applying mehndi on the occasion of Sawan continues till date. If you are also thinking of applying mehndi on this occasion, then you can try these latest mehndi designs (sawan latest mehndi patterns).Sawan swing mehndi designThere is a trend of swinging on the occasion of Sawan. In such a situation, you can try the swing mehndi design. A young woman swinging on a swing on one hand and a peacock design on the other will give you the vibes of Sawan. It is very beautiful to look at and easy to apply. Peacock Mehndi DesignPeacock design has always been the first choice for mehndi. It is very beautiful and is easy to apply. You can try simple or a little difficult mehndi design according to your choice. This design will be perfect in the month of Sawan. Shiva-Parvati MehndiThe month of Sawan is dedicated to Shiva-Parvati, so there is a ritual of worshipping them during this time. In such a situation, if you are planning to apply mehndi, then you can apply this mehndi with Shiva-Parvati design. This is a simple

and beautiful mehndi design, which you can apply easily. Flower Mehndi DesignFlower Mehndi is an evergreen design, which can be applied on any occasion. If you are also applying mehndi on the occasion of Sawan, then you can try this floral design. It is easy to apply and you can also add some designs according to Sawan. Regular Mehndi DesignYou can also try this design for mehndi. This is a simple regular mehndi design, which you can apply easily and it also enhances the beauty of your hands. This design with rose and lotus flowers will be perfect on the occasion of Sawan.

Aamir Khan's film did solid business on the weekend, makers' pockets filled with money



Sitaare Zameen Par Box Office Collection Day 20 Through Sitare Zameen Par, Aamir Khan made a strong comeback on the big screen after three years. It is expected that this movie will end the drought in the actor's career. Secondly, whenever Aamir Khan brings a film on children, it is amazing. The film released in theaters on June 20, what was the collection of the film on the 20th day? Aamir Khan has played the lead role The film released in theaters on June 20, what was the collection of the film on the 20th day? Aamir Khan has played the lead role What is the story of Sitare Zameen Par? According to this, Aamir Khan has regained his hold with Sitare Zameen Par. This is a sports drama whose story is very emotional. Aamir Khan has played the role of Gulshan Arora in the film, who is a junior basketball coach who has been punished by the court order to train a football team of a group of children suffering from Down syndrome for a competition. This is a significant comeback after the failure of Laal Singh Chaddha and proves that Aamir still knows how to connect with hearts. What was the film's 20th day collection? The film has completed 20 days at the box office. With an opening of 10.7 crores, the film collected 88.9 crores in the first week. Its collection in the second week was Rs 46.5 crores. Talking about the 20th day collection, the film can collect around 76 lakhs. According to this, its total earnings in India have become Rs 152.75 crores.

'Hum 14 saal se...', Bigg Boss ex-contestant Payal Rohatgi is taking divorce from her husband? Sangram Singh clarified

Payal and Sangram have a rift Is their 4-year-old marriage breaking? Sangram and Payal react to the news Recently, news of another break-up came from the TV world. Bigg Boss ex-contestant Payal Rohatgi shared a post on her official speculated that she is breaking her 14-year-old Sangram Singh. Before the rumours get heated up, 7, has put a full stop to them. He told whether he marriage and 14-year-old relationship or not. Let news spread. People had guessed from Payal's post statement on her official Instagram yesterday, in chairperson of Sangram Singh Charitable wrote in the caption, fans on social media started world of TV. Payal had written, "Sometimes peace whether this 14-year-old relationship is breaking or decision. Sangram said, "This is Payal ji's decision towards our work. In such a situation, whatever stop her, she is free to take her decisions. No one is gave such an answer on the news of divorce - Payal, Sangram Singh said, "There has been no been together for 14 years and will always be. I am to news like divorce. I also want to tell them not to Singh, but his wife Payal has also shared a loving divorce rumors. In which he wrote in the caption, Let us tell you that Sangram Singh and Payal the couple dated each other for a long time. It has contestants Payal Rohatgi and Sangram Singh her mind fearlessly, recently posted a post from which it was being speculated that she is separating from her husband. Now recently Sangram Singh has reacted to this.



Instagram account, from which it was being relationship with wrestler and motivational speaker Sangram Singh, who was seen in Bigg Boss season and Payal are really going to end their 4-year-old us tell you along with Sangram's statement how this - Actually, the 'Dhol' film actress had released a which she had told that she is resigning as the Foundation. This post was fine, but from what Payal guessing that another divorce is happening in the lies in distance". Sangram not only reacted to not, but along with this he also talked about Payal's and I respect it. We both have different approaches Payal ji must have thought, it will be good. I will not wrong here, every person is different". Sangram Breaking the silence on the news of his divorce with conversation between us about divorce. We have focusing on doing good work. I do not pay attention believe such rumors at all". Not only Sangram photo with her mother-in-law and husband amid "May you rest in peace, God knows everything". Rohatgi tied the knot in the year 2022, before that been more than 14 years since Bigg Boss ex-became a part of each other's life. Payal, who speaks

'I took off my whole clothes...' Actress gave a bold scene with a star 45 years older than me, there was a lot of uproar after the film

Deepshikha Nagpal played the role of Bindiya Rani in the film Koyla. There was a lot of uproar over a scene in this movie in which the Bindiya character does something to attract the king. The scene was performed very well but still people made various allegations on her. However, Deepshikha is happy with her work. Nowadays, having bold scenes in films is considered a common thing. However, in the olden times, people used to judge actors and actresses only on the basis of their acting. In such a situation, being too bold on screen raised questions on the character of the actress. This actress was cast in many successful films. The actress we are talking about today was known for her roles in films like Koyla, Badshah, Dillagi, Partner. In a 1997 film, she gave such a bold scene with an actor older than her, which caused a lot of controversy. Actually, the actress was talking about her bold scene with Amrish Puri in the film Koyla. In an interview, she told how the audience misunderstood the character of Bindiya Rani. They make every scene cheap In an interview given to Bollywood Bubble, Deepshikha said, "This was the Bindiya Rani scene with Amrish Puri. That character was like that in itself. It had to be done with Amrish Puri. Nowadays people often make such scenes cheap... ask actresses to take off their clothes, etc. But this character was not like that. I had no choice, and that is why I liked Shahrukh's character." Sameer Arya praised Deepshikha Nagpal for this scene. The actress recalled working with director Rakesh Roshan on that sensitive scene and said that he helped her a lot and maintained respect and dignity. Deepshikha told who helped? Deepshikha told that Rakesh Roshan had already talked to her about the scene. He was explaining everything in detail because I was a newcomer and it was a difficult scene for me. Deepshikha's mother was also present on the set at that time. Deepshikha said that despite so much comfort, people misunderstood her and judged that she had removed all her clothes while there was nothing like that. However, Deepshikha said that she is proud of her work. Participated in Bigg Boss in the year 2014 - Deepshikha participated as a contestant in the reality show Bigg Boss Season 8 in the year 2014. She made her debut as a film director with the film Yeh Dooriyan, which was released in August 2011.

